।। ॐ अर्हन् ।।

# श्री तिलोक रत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

**आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ ( महाराष्ट्र )**

## जैन सिद्धान्त सामायिक सूत्र परीक्षा – लेखी

**सन् २०१८** **समय : ९ से १२ बजे तक** **अंक : १००**

**परीक्षा क्र. : .....** **गांव : .....** **केन्द्र : आनंदधाम, अ.नगर**

**प्रश्न क्र. १. एक शब्द में जवाब लिखिए।** **(१०)**

१. तीसरा नमोत्थुणं किसको वंदन करने के लिए बोलते हैं? .....

२. उपाध्याय किसका अध्ययन करते हैं? .....

३. जब तक मन स्थिर रहे तब तक क्या करना चाहिए? .....

४. नवकार मंत्र अनादि काल से कैसा है? .....

५. इच्छाकारेणं इस पाठ का दूसरा नाम क्या है? .....

६. जिनसे मूलतत्व दूषित होते हैं उसे क्या कहते हैं? .....

७. कायोत्सर्ग में हमारा चिंतन कैसा होना चाहिए? .....

८. साधु कितनी समिति का पालन करते हैं? .....

९. ध्यान चिंतन आदि क्रियाएं किसमें करनी चाहिए? .....

१०. हमें किससे नहीं डरना चाहिए? .....

**प्रश्न क्र. २. उचित पर्याय चुनकर लिखिए।** **(१०)**

१. इच्छामि खमासमणो के पाठ से ..... वंदना की जाती है। ( जघन्य, मध्यम, उत्कृष्ट )

२. हमारे गुरु पांच ..... से युक्त तीन गुप्ति से गुप्त है। ( समिति, आचार, महाव्रत )

३. कायोत्सर्ग का अर्थ ..... की ममता का त्याग करना। ( काया, शरीर, मन )

४. तीर्थंकर पूर्ण ज्ञानी और ..... संपन्न महापुरुष हैं। ( सर्व गुण, उत्कृष्ट गुण, पूर्ण गुण )

५. ज्ञानप्राप्ति में रुचि होना ..... ध्यान है। ( शुक्लध्यान, धर्मध्यान, रौद्रध्यान )

६. गुरु हमारे भीतर के ..... को हटाते है। ( अंधकार, प्रकाश, अज्ञान अंधकार )

७. आवागमन करते हुए जीवों की ..... होती है। ( विराधना, हिंसा, घात )

८. अरिहंत संसार रूप समुद्र में ..... समान त्राण है। ( नायक, सारथी, द्वीप )

९. पूंजनी आदि सामायिक में लगने वाले ..... हैं। ( साधन, उपकरण, साहित्य )

१०. कायोत्सर्ग में मन को ..... में लगाएं। ( आत्मध्यान, स्वाध्याय, दुर्ध्यान )

**प्रश्न क्र. ३. दोष पहचानिए।** **(१०)**

१. सामायिक में कामवृद्धि करनेवाले गंदे गीत गाना। .....

२. सामायिक में गाल पर हाथ लगाकर शोकग्रस्त बैठना। .....

३. यशकीर्ति की कामना से सामायिक करना। .....

४. सामायिक में देव, गुरु, धर्म का अविनय करना। .....

५. सामायिक में शरीर पर से मैल उतारना। .....

६. लेनदार आदि से बचने के लिए सामायिक करना। .....

७. सामायिक का पाठ जल्दी जल्दी से अशुद्ध बोलना। .....

८. सामायिक में शरीर से पाप युक्त क्रिया करना। .....

९. सामायिक में व्यंग पूर्ण शब्द बोलना। .....

१०. सामायिक में बिना प्रयोजन के हाथ पैरों को सिकोडना या लंबे करना। .....

**प्रश्न क्र. ४ अंकों में जवाब लिखिए।** **(५)**

१. भगवान की स्तुति में कितनी चीजें मांगनी चाहिए? .....

२. सामायिक में कितनी विकथाएं नहीं करनी चाहिए? .....

३. कितने पदों में सभी महान आत्माओं को नमस्कार किया है? .....

४. काय कितनी हैं? .....

५. गुरु कितने महाव्रतों से युक्त होते हैं? .....

**प्रश्न क्र. ५. जोड लगाइए।** **(१०)**

| अ | ब | अ | | ब |
|---|---|---|---|---|
| १. सावद्य | अ. स्थिर | १. | – | ..... |
| २. अनाचार | आ. अशुभ चिंतन | २. | – | ..... |
| ३. मयल | इ. तीन तत्त्व | ३. | – | ..... |
| ४. आर्तध्यान रौद्रध्यान | ई. पापसहित | ४. | – | ..... |
| ५. तीर्थंकर की स्तुति | उ. संपूर्ण व्रत भंग | ५. | – | ..... |
| ६. देव, गुरु, धर्म | ऊ. गुरु वंदन का पाठ | ६. | – | ..... |
| ७. मध्यम वंदना | ए. घाती कर्म | ७. | – | ..... |
| ८. छद्म | ऐ. उत्कीर्तन सूत्र | ८. | – | ..... |
| ९. शोक करना | ओ. पवित्र साधना | ९. | – | ..... |
| १०. सामायिक | औ. आर्तध्यान | १०. | – | ..... |

**प्रश्न क्र. ६ निम्नलिखित प्राकृत शब्दों का हिंदी में अर्थ लिखिए।** **(१०)**

१. लेसिया ..... २. मोणेणं .....

३. आलोउं ..... ४. सव्वन्नूणं .....

५. प्पणासणो ..... ६. सक्कारेमि .....

७. निग्घायणट्ठाए ..... ८. गरिहामि .....

९. कित्तइस्सं ..... १०. सरीरस्स .....

**प्रश्न क्र. ७. निम्नलिखित हिंदी अर्थ के लिए प्राकृत शब्द लिखिए।** **(१०)**

१. अंग हिलने से ..... २. जिनेन्द्र कथित .....

३. अंतरहित ..... ४.आलोचना करता हूं .....

५. लोक के नाथ ..... ६. आप मंगल रूप हो .....

७. मकडी के जाले को..... ८. मैं ग्रहण करता हूं .....

९. मनयोग से पूजित ..... १०. समाप्त नहीं की .....

**प्रश्न क्र. ८. सही है या गलत बताइए।** **(१०)**

१. संघ के नायक साधु है। .....

२. व्रत भंग का मानसिक संकल्प करना अतिक्रम है। .....

३. सामायिक चार घडी की होती है। .....

४. सामायिक में पूंजनी से खेलना चाहिए। .....

५. नमोत्थुणं ज्ञान मुद्रा में बोलना चाहिए है। .....

६. धर्म रूप तीर्थ की स्थापना करनेवाले तीर्थंकर होते हैं। .....

७. दोषयुक्त जीवन जीना रौद्रध्यान का लक्षण है। .....

८. अभिहया से लेकर ववरोविया तक आगार है। .....

९. नवकार मंत्र में पांच पदों का समावेश है। .....

१०. नवकार मंत्र से कायोत्सर्ग पूर्ण करना चाहिए। .....

**प्रश्न क्र. ९. इरियावहि का पाठ शुद्ध लिखिए।** **(१०)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न क्र. १०. सामायिक पारने की विधि लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न क्र. ११. घर में दिए शब्दों को जिस पाठ के शब्द हैं उस पाठ के तक्ते में लिखिए। (१०)

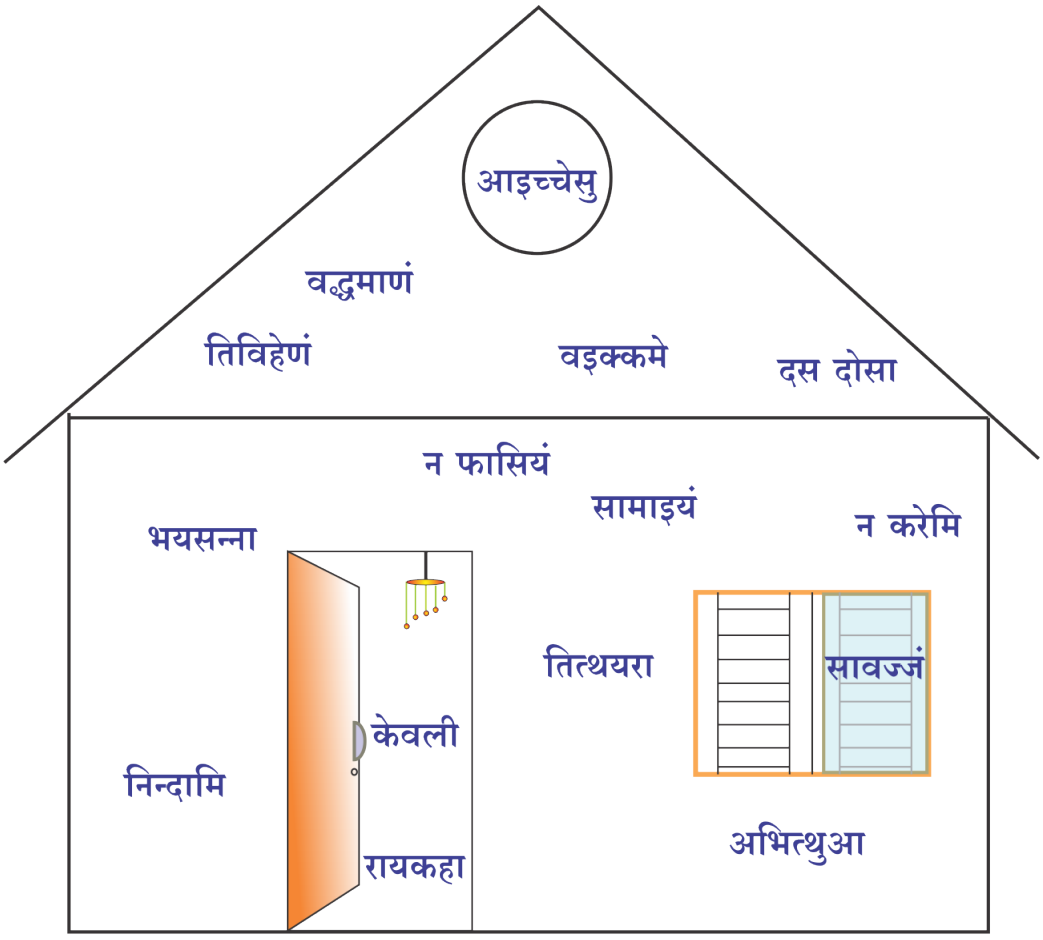


| लोगस्स का पाठ | करेमि भंते का पाठ | एयस्स नवमस्स का पाठ |
|---|---|---|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |

।। ॐ अर्हन् ।।

# श्री तिलोक रत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

**आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ ( महाराष्ट्र )**

## जैन सिद्धान्त सामायिक सूत्र परीक्षा – मौखिक

**सन् २०१८** **समय : ९ से १२ बजे तक** **अंक : ५०**

**परीक्षा क्र. : .....** **गांव : .....** **केन्द्र : आनंदधाम, अ.नगर**

**प्रश्न क्र. १. एक शब्द में जवाब कहिए।** **(५)**

१. उपाध्याय किसका अध्ययन करते हैं? .....

२. नवकार मंत्र अनादि काल से कैसा हैं? .....

३. इच्छाकारेणं इस पाठ का दूसरा नाम क्या है? .....

४. कायोत्सर्ग में हमारा चिंतन कैसा होना चाहिए? .....

५. साधु कितनी समिति का पालन करते हैं? .....

**प्रश्न क्र. २. उचित पर्याय चुनकर कहिए।** **(५)**

१. इच्छामि खमासमणो के पाठ से ..... वंदना की जाती है। ( जघन्य, मध्यम, उत्कृष्ट )

२. हमारे गुरु पांच ..... से युक्त तीन गुप्ति से गुप्त है। ( समिति, आचार, महाव्रत )

३. तीर्थंकर पूर्ण ज्ञानी और ..... संपन्न महापुरुष हैं। ( सर्व गुण, उत्कृष्ट गुण, पूर्ण गुण )

४. गुरु हमारे भीतर के ..... को हटाते है। ( अंधकार, प्रकाश, अज्ञान अंधकार )

५. आवागमन करते हुए जीवों की ..... होती है। ( विराधना, हिंसा, घात )

**प्रश्न क्र.३. जोड लगाइए।** **(५)**

| **अ** | **ब** | **अ** | | **ब** |
|---|---|---|---|---|
| १. आर्तध्यान रौद्रध्यान | अ. गुरु वंदन का पाठ | १. | – | ..... |
| २. मध्यम वंदना | आ. अशुभ चिंतन | २. | – | ..... |
| ३. शोक करना | इ. तीन तत्त्व | ३. | – | ..... |
| ४. देव गुरु धर्म | ई. पवित्र साधना | ४. | – | ..... |
| ५. सामायिक | उ. आर्तध्यान | ५. | – | ..... |

**प्रश्न क्र. ४ अंकों में जवाब कहिए।** **(५)**

१. सामायिक कितने घडी की होती है? .....

२. सामायिक में मन के कितने दोष हैं? .....

३. साधु के कितने गुण होते हैं? .....

४. हमारे गुरु कितने गुणों के धारक होते हैं? .....

५. लोगस्स के पाठ के अन्य कितने नाम हैं? .....

**प्रश्न क्र. ५. सही है या गलत बताइए।** **(५)**

१. संघ के नायक साधु है। .....

२. व्रत भंग का मानसिक संकल्प करना अतिक्रम है। .....

३. सामायिक में पूंजनी से खेलना चाहिए। .....

४. दोषयुक्त जीवन जीना रौद्रध्यान का लक्षण है। .....

५. अभिहया से लेकर ववरोविया तक आगार है। .....

**प्रश्न क्र. ६. हां या नहीं बताइए।** **(५)**

१. सामायिक में प्रवचन श्रवण करना चाहिए। .....

२. सामायिक में देश कथा करनी चाहिए। .....

३. सामायिक में पैर पर पैर चढाकर बैठना चाहिए। .....

४. सामायिक में प्रभुस्मरण करना चाहिए। .....

५. सामायिक में हंसना चाहिए। .....

**प्रश्न क्र. ७. इरियावहि का पाठ शुद्ध बोलिए।** **(१०)**

**प्रश्न क्र. ८. चित्रों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **(१०)**

← नव _ _ मंत्र

_ _वर्ती →

← तीर्थं _ _

_ _ रियाणं →

← _ _याविया

_ लामिया →

← _ _ सीएणं

_ _सग्गं →

← _ _ _गति

गम _ _ मणे →

।। ॐ अर्हन् ।।

# श्री तिलोक रत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

**आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ ( महाराष्ट्र )**

## जैन सिद्धान्त सामायिक सूत्र परीक्षा – मौखिक

**सन् २०१८** **समय : ९ से १२ बजे तक** **अंक : ५०**

**परीक्षा क्र. : .....** **गांव : .....** **केन्द्र : आनंदधाम, अ.नगर**

**प्रश्न क्र. १. एक शब्द में जवाब कहिए।** **(५)**

१. जिन्होंने आठ कर्म का क्षय किया है उन्हें क्या कहते हैं? .....

२. मुहपत्ति, माला आदि किसमें लगने वाले उपकरण हैं? .....

३. सामायिक की आज्ञा किससे ली जाती है? .....

४. मन, वचन, काया को किसमें स्थिर रखना चाहिए? .....

५. हमारी असावधानी के कारण जीवों की क्या होती है? .....

**प्रश्न क्र. २. उचित पर्याय चुनकर कहिए।** **(५)**

१. कायोत्सर्ग की पूर्व भूमिका के लिए पाठ ..... बोलते हैं। ( करेमि भंते, नवकार मंत्र, तस्सउत्तरी )

२. ..... कल्याणरूप, मंगलरूप होते हैं? ( देव, गुरु, धर्म )

३. गुरु पांच ..... का संवर करते हैं। ( इन्द्रिय, आचार, कषाय )

४. रोना, शोक करना ..... का लक्षण है। ( धर्मध्यान, आर्तध्यान, रौद्रध्यान )

५. ..... के पाठ में बाया घुटना खडा किया जाता है। ( नमोत्थुणं, नवकार मंत्र, लोगस्स)

**प्रश्न क्र.३. जोड लगाइए।** **(५)**

| **अ** | **ब** | **अ** | | **ब** |
|---|---|---|---|---|
| १. इच्छाकारेणं का पाठ | अ. शक्रस्तव का पाठ | १. | – | ..... |
| २. तस्स उत्तरी का पाठ | आ. गुरु गुण का पाठ | २. | – | ..... |
| ३. लोगस्स का पाठ | इ. उत्तरी करण सूत्र | ३. | – | ..... |
| ४. नमोत्थुणं का पाठ | ई. आलोचना सूत्र | ४. | – | ..... |
| ५. पंचिंदिय का पाठ | उ. चउवीसत्थव का पाठ | ५. | – | ..... |

**प्रश्न क्र. ४ अंकों में जवाब कहिए।** **(५)**

१. जैन धर्म के मुख्य तत्त्व कितने हैं? .....

२. सिद्ध के गुण कितने हैं? .....

३. तीर्थंकर कितने होते हैं? .....

४. गुरु कितने गुप्ति से गुप्त होते हैं? .....

५. नवकार मंत्र में कितने पद का समावेश होता है? .....

**प्रश्न क्र. ५. सही है या गलत बताइए।** **(५)**

१. दूसरे देवलोक के इन्द्र शक्रेन्द्र है। .....

२. तीर्थंकर को अरिहंत भी कहते हैं। .....

३. हमें सोच समझकर चलना चाहिए। .....

४. ३२ दोष सामायिक के महत्त्व को बढाते हैं। .....

५. साधु छह काय जीवों की विराधना करते हैं। .....

**प्रश्न क्र. ६. हां या नहीं बताइए।** **(५)**

१. सामायिक में बैठे बैठे नींद लेनी चाहिए .....

२. सामायिक में गंदे वचन बोलने चाहिए। .....

३. सामायिक में पाठ का स्पष्ट उच्चारण करना चाहिए। .....

४. सामायिक में आहार की इच्छा करनी चाहिए। .....

५. सामायिक में शास्त्र की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। .....

**प्रश्न क्र. ७. तस्स उत्तरी का पाठ शुद्ध बोलिए।** **(१०)**

**प्रश्न क्र. ८. चित्रों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **(१०)**

← नव _ _ मंत्र

_ _वर्ती →

← तीर्थं _ _

_ _ रियाणं →

← _ _यावियां

_ लामिया →

← _ _ सीएणं

_ _सग्गं →

← _ _ _गति

गम _ _ मणे →